IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बेमेतरा जिला (छतीसगढ) में जनसंख्या संरचना

अनार एवं ममता

शोध छात्र भूगोल , अध्ययनशाला पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ,छ.ग.

शोध सारांश –

जनसंख्या एक गत्यात्मक अवधारणा है जो किसी क्षेत्र विशेष में देश–काल के अनुसार बदलती रहती है। अध्ययन क्षेत्र मे जनसंख्या का वितरण असमान है। शिवनाथ पार मैदान के तटवर्ती प्रदेशों में जीवनयापन के अनुकुल साधनों की बहुतायत के कारण जनसंख्या का सघन वितरण पाया जाता है। इसके मैकल श्रेणी क्षेत्र एवं साजा प्रदेशों में जनसंख्या का वितरण विरल है। क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व 279 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि.मी तथा जनसंख्या वृद्वि दर 29.89 प्रतिशत है। यहाँ जनसंख्या वृद्वि राष्टीय स्तर की तुलना में अधिक तथा राज्यकी तुलना में वृद्वि दर प्रतिशत कम है। जिले के उत्तरी एवं मध्यवर्ती क्षेत्र में जनसंख्या वृद्वि दर सबसे अधिक 36.02 प्रतिशत है। अध्ययन क्षेत्र में कार्यशील जनसंख्या तथा साक्षरता दर 69.87 प्रतिशत है। जिले के मध्यवर्तीक्षेत्र समतल भू–भाग होने के साथ–साथ यहां पर शैक्षणिक सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारणसाक्षरता का स्तर उच्च है। अध्ययन क्षेत्र में बाल एवं युवा आयु वर्ग के व्यक्तियों का 15.59 प्रतिशत सबसेअधिक है तथा प्रौढ एवं वृद्व आयु वर्ग के व्यक्तियों का 6414 है। अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वृद्वि वितरणशिक्षा एवं साक्षरता पर प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक कारकों का प्रत्यक्ष प्रभाव पडा है। जिसके कारण जिले के जनसंख्या वितरण में व्यापक असमानता पाई जाती है। इसके साथ ही ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या–अनुपात पर भी मानवीय एवं सांस्कृतिक कारकों का विशेष प्रभाव पडा है।

शब्द कुंजी : जनसंख्या , घनत्व , साक्षरता , लिंग अनुपात , व्यवसायिक संरचना ,

प्रस्तावना :

संसाधन भूगोल के अध्ययन मे मानव संसाधन का केंद्रीय स्थान है। भूतल पर जनसंख्या के वितरण में आदिकाल से लेकर वर्तमान काल तक परिवर्तन होता रहा है। यद्यपि परिवर्तन की गति एवं दिशा देश–काल के अनुसार भिन्न–भिन्न रही है। जहां एक ओर मानव निवास के लिए उपयुक्त स्थल–खंडों पर जनसंख्या का अत्यधिक जमाव हो गया है। वही दूसरी ओर पृथ्वी के बडे–बडे भूखंड मनुष्य के लिए अनुपयुक्त होने के कारण पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से निर्जन एवं वीरान पडे हुए है। जनसंख्या के असमान वितरण के लिए अनेक प्राकृतिक तथा मानवीय कारक उत्तरदायी है। किसी भी देश राज्य और जिला में जनसंख्या या मानव संसाधन उसकी सबसे बडी पूंजी होती है। जनसंख्या के उपयुक्त आकार और श्रेष्ठ गुणात्मक विशेषताओं के आधार पर ही क्षेत्र विशेष का विकास निर्भर करता है।

उद्देश्य – प्रस्तुत शोध अध्ययन के निम्नांकित उदेश्य है–

1 अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या अनुपात का पता लगाना ।

2 जनसंख्या वृद्वि दर का पता लगाना।

3 जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व के सामान्य वितरण प्रतिरूप का पता लगाना ।

4 अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता एवं लिंगानुपात के वितरण प्रतिरूप का पता लगाना ।

आँकड़ो के स्त्रोत एवं विधितंत्र

प्रस्तुत शोध अध्ययन द्वितीयक आँकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। जनसंख्या सम्बंधी आँकड़े जनगणना पुस्तिका 2001 एवं 2011 से प्राप्त कर अध्ययन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

बेमेतरा जिला छत्तीसगढ राज्य के दक्षिण–पश्चिम भाग मे स्थित है। भौगोलिक दृष्किोण से 21°21' से 22°03' उत्तरी अक्षाश तथा 81°07' से 81°55' पूर्वी देशान्तर के मध्य में विस्तृत है मानचित्र 1 , इसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2854.81 वर्ग कि. मीटर क्षेत्र है। प्रशासनिक रूप से यह जिला 5 तहसीलों नवागढ,बेमेतरा,बेरला साजा,थानखम्हरिया में विभक्त है।

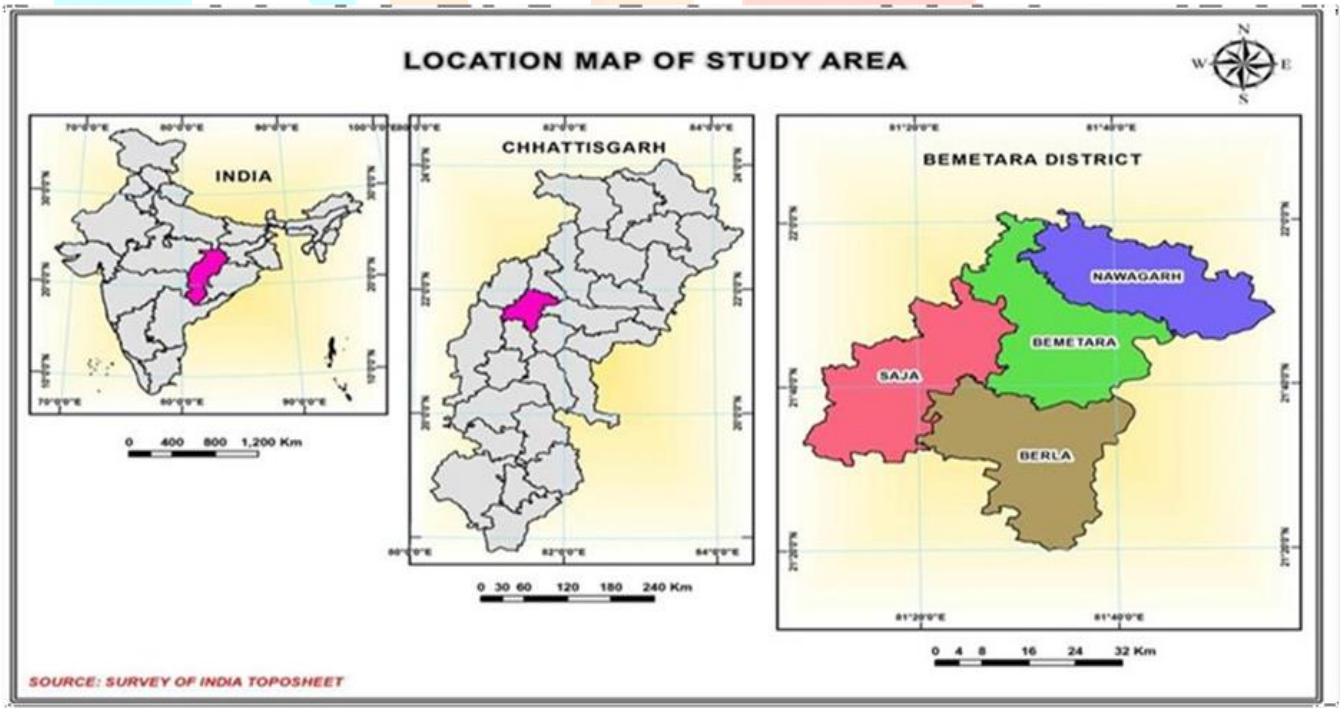

जनसंख्या वितरण

जनसंख्या तथा उसकी विभिन्नता भौतिक विशेषताओं जैसे जनसंख्या का वितरण, घनत्व, आयु समूह, लिंग–अनुपात, साक्षरता, आदि का अध्ययन अत्यन्त महत्वपूर्ण है। 2011 की जनगणना अनुसार अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 7,95,759 है। जिसमें ग्रामीण जनसंख्या 90.62 प्रतिशत तथा नगरीय जनसंख्या 9.38 प्रतिशत है। जिले में अनुसूचित जाति 18.09 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति 4.67 प्रतिशत है।

तालिका 1.2

बेमेतरा जिला : ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या 2011

क्र	वि.ख.	कुल जनसंख्या	जनसंख्या घनत्व	ग्रामीण जनसंख्या	प्रतिशत	नगरीय जनसंख्या	प्रतिशत
1	नवागढ	197081	315	179944	91.3	17137	8.69
2	बेमेतरा	215624	296	187088	86.7	28536	13.23
3	बेरला	187376	241	182211	97.2	5165	2.74
4	साजा	195678	269	171949	87.8	23729	12.12
	जिला	795759	279	721192	90.62	74567	9.37

स्त्रोत्र :– जिला सांख्यिकी पुस्तिका बेमेतरा 2011

जनसंख्या घनत्व :–

जनसंख्या के घनत्व का अभिप्राय प्रति इकाई भू–क्षेत्र पर निवास करने वाली जनसंख्या से होता है (ट्रिवार्था, 1953)। अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या घनत्व को तीन श्रेणियों में रखकर अध्ययन किया गया है।

1 अधिक जनसंख्या घनत्व के क्षेत्र 300 >

2 मध्यम जनसंख्या घनत्व के क्षेत्र 250 से 300

3 निम्न जनसंख्या घनत्व के क्षेत्र 250 <

अधिक जनसंख्या घनत्व

इसके अंतर्गत नवागढ़ विकासखण्ड के क्षेत्र सम्मिलित है,। इस क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व 300 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.से अधिक है। इसका मुख्य कारण समतल मैदानी भू–भाग ,सिंचाई की सुविधा,यातायात एवं परिवहन के साधनों में वृद्वि इसकें अतिरिक्त अन्य कारणों में औद्योगिक विकास है।

मध्यम जनसंख्या घनत्व

इस क्षेत्र में बेमेतरा तथा बेरला विकासखण्ड सम्मिलित है,। बेरला विकासखण्ड में 241 तथा बेमेतरा में 296 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. जनसंख्या घनत्व है। यद्यपि इस क्षेत्र में समतल कृषि भूमि एवं उपजाऊ मिट्टी के कारण कृषि भूमि का प्रतिशत अधिक है किन्तु सिंचाई साधनों में नहरों द्वारा सिंचाई का अभाव है वहीं ट्यूबवेल जैसे आधुनिक सिंचाई स्रोतों की उपलब्धता के कारण यहां जनसंख्या का वितरण मध्यम है।

निम्न जनसंख्या घनत्व

इस क्षेत्र में साजा विकासखण्ड सम्मिलित है इस क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व के कमी के मुख्य कारण विषम धरातल, अनुपजाऊ मिट्टी, सतही एवं भूमिगत जल की कमी, सिंचाई स्रोतों का अभाव, वनाच्छादित एवं मैकल वृष्टि छाया प्रदेश एवं अविकसित परिवहन सुविधा के कारण जनसंख्या विरल है।

ग्रामीण तथा नगरीय जनसंख्या :–

जनसंख्या की आर्थिक क्रिया–कलापों के आधार पर मुख्यतः दो भागों में बाँटा गया है–ग्रामीण तथा नगरीय जनसंख्या। ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षाकृत नगरीय क्षेत्र में सुविधाएं अधिक होने के कारण जनसंख्या गांव से शहर की प्रवास होता है। बेमेतरा जिला में कुल जनसंख्या 795759 व्यक्ति है, जिससे ग्रामीण जनसंख्या 90.62 प्रतिशत तथा नगरीय जनसंख्या 9.38 प्रतिशत है।इस क्षेत्र के ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशत अधिकतम बेरला विकासखण्ड 25.2 प्रतिशत तथा न्यूनतम बेमेतरा विकासखण्ड 25.9 प्रतिशत है। नगरीय जनसंख्या में अधिकतम बेमेतरा विकासखण्ड 13.23 प्रतिशत तथा न्यूनतम बेरला विकासखण्ड 2.39 प्रतिशत है ।

अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति जनसंख्या :–

अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े है। बेमेतरा जिला एक समतल मैदान वाला क्षेत्र है, जिसमें कृषि तथा कृषि मजदूरी से आर्थिक क्रियो से संबंधित होती है।अनुसूचित में जनजाति शिक्षा का स्तर कम है।अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए प्रमुख योजनाएं, शासकीय सेवाओं एवं शिक्षा स्तरों में सुविधाओं के कारण लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। बेमेतरा जिला में अन ुसूचित जाति 18.09 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति 4.67 प्रतिशत है।ग्रामीण क्षेत्र में अनुसूचित जाति 18.40 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति 4.65 प्रतिशत नगरीय क्षेत्र में अनुसूचित जाति 15.34 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति 4.77 प्रतिशत हैं।

लिंगानुपात :–

अध्ययन क्षेत्र में लिंगानुपात प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या अधिक है। महिलाएं कृषि तथा कृषि मजदूरी से जुड़े है। लिंगानुपात, जनसंख्या वृद्धि, वैवाहिक दर तथा व्यावसायिक संरचना इत्यादि पर निर्भर करता है। अध्ययन क्षेत्र में 2011 की जनगणना के अनुसार लिंगानुपात 1002 व्यक्ति है।जिला में विभिन्न भागों का सामाजिक–आर्थिक स्थिति भिन्न–भिन्न है। बेमेतरा जिला के ग्रामीण क्षेत्र में लिंगानुपात 1001 व्यक्ति प्रति हजार है। नगरीय क्षेत्र में लिंगानुपात 998 व्यक्ति प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या है, नगरीय क्षेत्र की त ुलना में ग्रामीण में पुरूषों से महिलाओं की संख्या अधिक (तालिका 1.16) है। बेमेतरा के साजा विकासखण्ड में लिंगानुपात सबसे अधिक 1008 है तथा नवागढ विकासखण्ड में सबसे कम 995 व्यक्ति है।

तालिका 1.16
बेमेतरा जिला : लिंगानुपात, 2011

क्र	विकासखण्ड	कुल	ग्रामीण	नगरीय
1	नवागढ	995	994	1005
2	बेमेतरा	997	996	998
3	बेरला	1007	1007	993
4	साजा	1008	1009	996
कुल बेमेतरा जिला		1002	1001	998

स्त्रोत्र :– जिला सांख्यिकी पुस्तिका बेमेतरा 2011

साक्षरता :–

किसी भी क्षेत्र के विकास में साक्षरता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। साक्षरता से तात्पर्य है, उन व्यक्तियों से है जो किसी भाषा के माध्यम से पढ़ना–लिखना जानते हैं। जिलें में 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता प्रतिशत 69.86 है, जिसमें पुरूषों

का साक्षरता प्रतिशत 57.96 तथा महिला साक्षरता प्रतिशत 42.46 है। बेमेतरा जिला के साजा विकासखण्ड में साक्षरता अधिकतम 71.6 प्रतिशत तथा नवागढ. विकासखण्ड में न्यूनतम 68.2 प्रतिशत है।

तालिका 1.18
बेमेतरा जिला : साक्षरता 2011

क	विकासखण्ड/तहसील	कुल प्रतिशत	पुरूष साक्षरता प्रतिशत	महिला साक्षरता प्रतिशत
1	बेमेतरा	70.2	58.32	41.68
2	बेरला	70.3	57.30	44.49
3	नवागढ	68.2	58.88	41.12
4	साजा	71.6	57.11	42.89
5	थानखम्हरिया	69.0	57.68	42.32
कुल बेमेतरा जिला		69.86	57.96	42.46

स्त्रोत : भारतीय जनगणना दुर्ग जिला 2011

व्यावसायिक संरचना :–

मनुष्य जीविकोपार्जन के लिए श्रम करता है। क्षेत्र में कार्यशील कृषि मजदूरी, औद्योगिक श्रम, तथा अन्य श्रम करता हैं। मुनष्य की अर्थव्यवस्था तथा आर्थिक विकास व्यवासाय के आधार पर महत्वपूर्ण होता है। बेमेतरा जिले का विकास का मुख्य आधार कृषि तथा कृषि मजदूरी से जुड़े हुऐ लोग है। इसमें कृषि 31.93 प्रतिशत,खेतिहरमजदूर 37.77 प्रतिशत मजदुर 0.67 प्रतिशत तथा अन्य श्रम 8.92, प्रतिशत है।इस क्षेत्र में कृषि से जुड़े लोग अधिकतम नवागढ़ विकासखण्ड में 38.07 प्रतिशत तथा न्यूनतम साजा विकासखण्ड मे 34.04 प्रतिशत है।कृषि श्रमिक अधिकतम बेमेतरा विकासखण्ड में 27.58 प्रतिशत तथा न्यूनतम साजा विकासखण्ड में 14.06 प्रतिशत है । क्षेत्र में औद्योगिक तथा अन्य श्रमिक वर्गों का प्रतिशत न्यूनतम होने के कारण अधिकांश ग्रामीण लोग कृषि से जुड़े है।

तालिका
बेमेतरा जिला : व्यावसायिक संरचना, 2011

क	विकासखण्ड	कृषि कार्य		खेतिहर मजदुर		मजदुर		अन्य श्रमिक	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1	बेमेतरा	37343	35.97	51476	49.59	974	13.50	14010	13.50
2	बेरला	35070	35.19	54119	64.31	920	9.57	9538	9.57
3	नवागढ	36402	38.07	52370	54.77	556	6.58	6283	6.58
4	साजा	33496	34.04	54371	55.15	1084	9.74	9610	9.74
कुल बेमेतरा जिला		142311	35.81	212336	53.46	3534	9.85	39441	9.85

स्त्रोत : भारतीय जनगणना दुर्ग जिला 2011

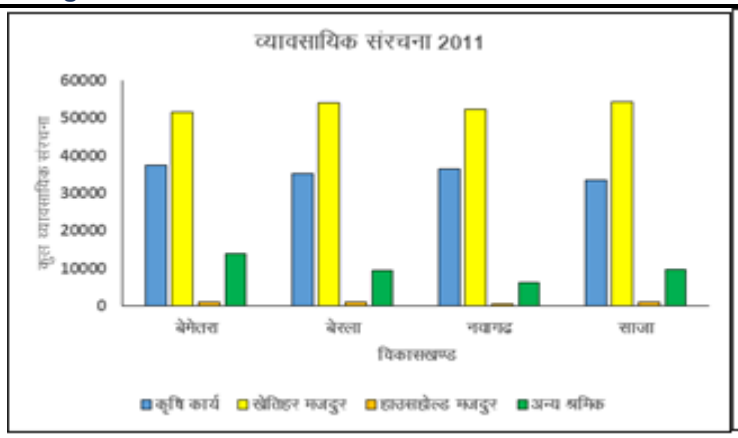

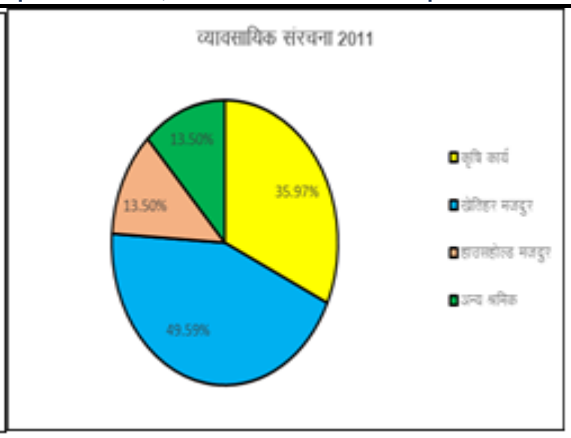

निष्कर्ष :–

प्रस्तुत शोध प्रपत्र मे जनसंख्या सबंधित ऑकडो के विवेचन से स्पष्ट है।कि अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वितरण ,वृद्वि,शिक्षा एवं साक्षरता पर प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक कारकों का प्रत्यक्ष प्रभाव पडा है। जिसके कारण जिलें की जनसंख्या के वितरण मे व्यापक असमानता पाई गयी है। इसके साथ ही ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या–अनुपात व्यवासायिक संरचना कार्यशील जनसंख्या–अनुपात आदि पर भी मानवीय एवं सांस्कृतिक कारकों का विशेष प्रभाव पडा है। जनसंख्या की निरंतर वृद्वि से अध्ययन क्षेत्र के संसाधनों पर जनसंख्या का दबाव बढता जा रहा है। जिसे परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों के प्रयोग से रोका जाना आवश्यक है। ताकि जिले में प्रति व्यक्ति आय में वृद्वि हो सके और उसके सामाजिक–आर्थिक स्तर को उँचा उठाया जा सके । इसके अतिरिक्त सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए क्षेत्र में अशिक्षा , अज्ञानता एवं गरीबी को दूर करना तथा ग्रामीण महिला साक्षरता भी प्रतिशत में वृद्वि आवश्यक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

कमलेश, संतराम (2002) : छत्तीसगढ. की भौगोलिक समीक्षा, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर।

कुमार, प्रमीला (2001) : छत्तीसगढ़ एक भौगोलिक अध्ययन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथअकादमी भोपाल।

खान, जेड.टी (2015) : "छत्तीसगढ़ में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण" चर्मण्वती भूगोल शोध पत्रिका अम्बाह (मुरैना) अंक–15, पृष्ठ 14–18.

बघेल, अनुसूईया (2015) : "छत्तीसगढ. में व्यासायिक संरचना" रिब्युड जर्नल्स, पं. रविशंकर वि.वि. रायपुर, अंक 19, पृष्ठ 105–119,

यादव, शोभा (2001) : हमारा छत्तीसगढ़, शारदा प्रिन्टर्स, रायपुर।

तिवारी, विजय क ुमार (2001) : छत्तीसगढ़ एक भौगोलिक अध्ययन, मध्यप्रद ेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल।

त्रिपाठी, कौशलेन्द्र एवं चन्द्राकर (2001) : छत्तीसगढ. भूगोल, शारदा प्रकाशन, बिलासपुर।

वर्मा, एल.एम (2017) : छत्तीसगढ. का भूगोल, मध्यप्रद ेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।

Census of India (2011) : Chhattisgarh District Census Hannook, Durg Series-23, PartXII- A,Directorate of Census OperationsChhattisgarh

Census of India (2011) : Chhattisgarh District Census Hannook, Durg Series- Par XII-B, Directorate of Census OperationsChhattisgarh District Survey Report : Bemetara Chhasttisgarh, No. So. 141

(E),(2016) Environment, Forest and Climate Change, Directorate of Geology and Mining Mineral Resources Department Govt. Of Chhasttisgarh

REFERENCES Agarwal, P.C. (1971). : "Chhattisgarh Region in India: Regional Geography", National Geographical Society of India, pp. 739-753.

Census of India (2011). Bemetara . Directorate of Census Operation Chhattisgarh. District, Chhattisgarh

Chandna, R.C. (2010) : "Geography of Population", Kalyani Publishers, New Delhi. Chhattisgarh Reference Atlas, CHiPS.